आर.जी.सी.आई.आर.सी

सहयोग के हाथ सेवा में

राजीव गाँधी कैंसर इंस्टिट्यूट व रिसर्च सेंटर

राजीव गाँधी कैंसर इंस्टिट्यूट व रिसर्च सेंटर (आर.जी.सी.आई.आर.सी) भारत का शीर्ष कैंसर सेंटर है जहाँ इस व्याधि का व्यापक इलाज होता है। कैंसर की रोकथाम से लेकर उसके उपशमन और मरणासन्न रोगी की हर तरह से देखभाल का ज़िम्मा आर.जी.सी.आई. आर.सी लेता है। विश्व की बेहतरीन टेक्नोलॉजी, उसका प्रयोग करने वाले योग्यतम चिकित्सक, शल्यचिकित्सक व शोधकर्ता और जेनेटिक काउंसलिंग जैसी नवीन प्रौद्योगिकी के लिए यह सेंटर प्रख्यात है।

- बोन मैरो ट्रांसप्लांट (BMT) सुविधा
- रोबोटिक सर्जरी डिपार्टमेंट व एडवांस्ड रोबोट
- इमेज गाइडेड प्रिसिशन और मोशन गेटेड रेडियोथेरेपी
- इंटरवेंशनल रेडियोलोजी के लिए समर्पित कैथ-लैब (Cath-Lab)
- रोग की पहचान करने के लिए एम आर आई (MRI), पी.ई.टी-सीटी (PET-CT) और डुअल एनर्जी सीटी-स्कैनर (CT Scanner)
- नेक्स्ट जनरेशन सीकुएंसिंग (NGS) के लिए मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक लैब
- शोध के लिए बायो-रिपॉज़िटरी (Biorepository)

लेकिन हमारी एक और पहचान भी है – जो हमारे दिल के ज़्यादा नज़दीक होने के साथ, हमारी दृष्टि में अधिक मूल्यवान है।

सन् १९९६ में स्थापित यह सेंटर अनेक प्रकार से लोक-सेवा के कार्य में जुटा है। **इन्द्रप्रस्थ कैंसर सोसाइटी द्वारा संचालित**, हमारा यह ग़ैर-लाभकारी अस्पताल उन लोगों की सेवा में रत है जो एक ऐसे रोग से जूझ रहें हैं जो न सिर्फ उन्हें शारीरिक और मानसिक तौर पर अशक्त कर देता है बल्कि लंबे और महंगे इलाज की वजह से आर्थिक तौर से भी तोड़ देता है।

इसी सोच को मद्दे-नज़र रख आर.जी.सी.आई.आर.सी के संस्थापकों ने तय किया था कि यह सेंटर कैंसर के रोगियों को वैश्विक स्तर का लेकिन सस्ता इलाज मुहैय्या कराएगा और भारत से इस रोग को शोध, शिक्षा, रोकथाम और चिकित्सा से समाप्त करने के लिए वचनबद्ध रहेगा। बीते करीब २५ वर्षों से यह संस्था अपनी शत-प्रतिशत अतिरिक्त आय सेवा के कामों को समर्पित कर रही है। आज की तारीख में यह पूँजी **१० करोड़ रुपये सालाना** है। अस्पताल के लिए मशीनें हों, उसके विस्तार का काम हो या कोई अन्य मूलभूत सुविधाएँ हों, यह पैसा इन सभी क्षेत्रों में ख़र्च किया जाता है। गवर्निंग काउंसिल के मेम्बरान अवैतनिक स्वयंसेवी हैं जिनके लिए कुशल संचालन का मानदंड और मुनाफ़े की परिभाषा रोगी की सेवा और उसकी सुविधा पर आधारित है।

जो संस्था १५० बेड की एक छोटी-सी सहूलियत बन कर शुरू हुई थी, वह आज ५०० बेड वाली विशिष्ट कैंसर केयर सुविधा के रूप में प्रतिष्ठित है। इस यात्रा में करीब पौने तीन लाख रोगी हमारे संपर्क में आए हैं। लक्ष्य बने हैं, बढ़े हैं, बदले भी हैं। जो नहीं बदला है, वह है हमारा निश्चय कि कैंसर से पीड़ित कोई भी व्यक्ति – वह कहीं भी हो, उसकी आर्थिक स्थिति कैसी भी हो – अच्छे से अच्छे इलाज का अधिकारी है। इसी संकल्प ने हमारी श्रद्धा को भी बल दिया है। कुछ ऐसी **संस्थाएं और लोग हमारे हमसफ़र बने हैं** जो उस व्यक्ति की तकलीफ को साँझा कर पाने की क्षमता रखते हैं और अच्छे इलाज की ज़रूरत को समझते हैं – वह फ्री बेड की सुविधा देकर हो, सस्ते दाम पर हो या फिर मुफ़्त हो। हम सब एक होकर उस रोगी तक जल्द से जल्द पहुँच पाने के लिए प्रयत्नरत हैं।

हम कैंसर-चिकित्सा की प्राथमिकता को भली-भांति समझते हैं। लेकिन साथ ही यह भी जानते हैं कि रोकथाम ही इसका वास्तविक उपचार है। इसके चलते हमने दिल्ली के वंचित वर्ग के लिए एक व्यापक कार्यक्रम तैयार किया है जिसके तहत **जागरूकता अभियान, मुफ्त जांच और रोग-ग्रस्त पाए जाने पर मुफ्त इलाज** का बंदोबस्त किया गया है। प्रतिवर्ष १०,००० लोगों की प्रारंभिक जांच में करीब ५००-६०० जीवन रोग के जल्दी पता चलने और इलाज से बचा लिए जाते हैं।

अस्पताल द्वारा लाइलाज रोगियों के लिए **निःशुल्क होम केयर सेवाएं** भी उपलब्ध हैं। इस सेवा के अंतर्गत, एक डाक्टर और नर्सिंग टीम मरीज़ के घर न सिर्फ ज़रूरी दवाएं पहुँचाने और पट्टी इत्यादि करने पहुँचते हैं, बल्कि परिवार को उसकी देखभाल से जुड़ी जानकारी, सहानुभूति-पूर्ण सहयोग और परामर्श भी देते हैं।

रोकथाम से हो या दवा से, शोध का एकमात्र उद्देश्य मर्ज़ की उत्कृष्ट दवा और रोगी को आराम पहुँचाना ही है। लेकिन यह क्षेत्र, जिसमें लम्बे अरसे तक बिना लाभ की अपेक्षा किये निवेष की ज़रूरत रहती है, को नज़रंदाज़ किया जाता रहा है। आर. जी.सी.आई.आर.सी **गहन और विश्वसनीय शोध** का हिमायती रहा है। इसीलिए हम यथाशक्ति एक अच्छी लैब और एक बेहतरीन बायो-रिपॉज़िटरी द्वारा नैदानिक परीक्षण और नयी दवाओं की खोज की ओर अग्रसर हैं।

कैंसर जैसे बहरूपिये के साथ लड़ाई के मोर्चे कई हैं, और उन पर लड़ने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। लेकिन हमारा पहला लक्ष्य है अपनी **सेवाओं को ज़्यादा से ज़्यादा लोगों तक ले जाना** – वे लोग जिन्हें इन सेवाओं की ज़रूरत है लेकिन साधन न के बराबर हैं। हम मानते हैं कि हर एक के पास कुछ न कुछ देने का सामर्थ्य है। यही जज़्बा हमारे रास्ते को रौशन करता है। इस विश्वास की डोर थामे हम आपको इस रास्ते पर साथ चलने के लिए आमंत्रित करते हैं ताकि हम सब किसी के जीवन को बेहतर बनाने-करने में शरीक हो सकें– उस सुख में भागीदारी कर सकें जो सिर्फ सहयोग से मिलता है।

आप अपना योगदान निम्न प्रकार से कर सकते हैं:

१. कार्पस फण्ड

हमने तीन कार्पस फण्ड बनाए हैं :

- खून के कैंसर
- बच्चों के कैंसर
- अन्य कैंसर

ज़रूरतमंद रोगियों को वार्षिक सहायता देने के लिए इनमें से किसी भी कार्पस फण्ड में योगदान दिया जा सकता है।

---

२. कमज़ोर वर्ग के रोगियों के लिए योगदान

ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्हें उपचार की बहुत ज़रूरत है लेकिन साधन न होने के कारण समय रहते वे इलाज करवा नहीं पाते। आपकी सहायता उनके लिए अनमोल है। आप :

- एक रोगी का ख़र्च उठा सकते हैं (५ लाख रुपये)
- रेडिएशन, सर्जरी और कीमोथेरेपी में से एक या दो प्रकार की चिकित्सा का ख़र्च उठा सकते हैं (२-४ लाख रुपये प्रति मरीज़)

---

३. प्रतिबंधन में सहायता (Preventive Care)

कैंसर का निरोध ही उसे जड़ से समाप्त करने की ओर पहला कदम है। आप हमारे जागरूकता अभियान और इस बीमारी के बारे में जनसाधारण को शिक्षित करने की हमारी मुहीम में भी सहायता कर सकते हैं:

- प्रारंभिक जांच की योजनाओं के लिए राशि से योगदान
- जागरूकता शिविर लगाने में सहायता
- कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने में सहायता
- शिक्षा सामग्री तैयार करने और कार्यशालाएं चलाने में सहयोग

४. उपशमन व लाइलाज रोगियों की घर पर देखभाल

कैंसर के रोगी के जीवन में ऐसा समय भी आता है जब उपचार की सीमा समाप्त हो जाती है – और उसे दर्द से आराम व देखभाल से ज़्यादा किसी और चीज़ की ज़रूरत नहीं रहती। हमारी प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण अंग है ऐसे रोगियों तक इस देखभाल और आराम को पहुँचाना। आप :

- आहार के परिपूरक, या सप्लीमेंट प्रदान कर सकते हैं
- दर्द कम करने की दवाइयाँ दे सकते हैं
- लोगों के प्रशिक्षण में सहयोग और एम्बुलेंस / गाड़ियाँ दान कर सकते हैं

---

५. शोध-कार्य का समर्थन और संभाल

शोध-कार्य लागत का काम है, और उसे चिकित्सा से कम आंकना भूल। यह बात हम भली-भांति समझते हैं। स्तन, सिर व गर्दन और फेफड़ों के कैंसर पर शोध-प्रोजेक्ट में आपका दान कैंसर के न जाने कितने रोगियों के लिए उपहार हो सकता है।

आर.जी.सी.आई.आर.सी सेक्शन **80 G** और सेक्शन **35 (i)(ii)** के अंतर्गत दान के लिए **आयकर से मुक्त है**। आप चैक **Indraprastha Cancer Society and Research Centre** के नाम से बना सकते हैं।

संपर्क :
फिलान्थ्रोपिक सेवा विभाग
philanthropy@rgcirc.org
011 47022619

अपने आप
को पाना हो तो
दूसरों की सेवा में
खो जाओ।

महात्मा गाँधी

राजीव गाँधी कैंसर इंस्टिट्यूट व रिसर्च सेंटर
डी-१८ सेक्टर-५, रोहिणी, नई दिल्ली ११००८५